



क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ीज़

चर्चा में क्यों?

हाल ही में क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ीज़ (Kysanur Forest Disease- KFD) के तीव्रता से नदिन में एक नया 'पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण' (Point-Of-Care Test) अत्यधिक संवेदनशील पाया गया है।

- इस रोग को मंकी फीवर (Monkey Fever) के नाम से भी जाना जाता है।

प्रमुख बर्तु:

पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण' के बारे में:

- इसे [इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रसिर्च](#) (Indian Council of Medical Research-ICMR)- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरलॉजी द्वारा वकिसति कया गया है।
- पॉइंट-ऑफ-केयर परीक्षण में बैटरी से चलने वाला [पॉलीमर चैन रएिक्शन](#) (Polymerase Chain Reaction- PCR) एनालाइज़र शामिल है, जो एक पोर्टेबल, हलका और यूनविरसल कार्टरजि-आधारित सैपल प्री-ट्रीटमेंट कटि और न्यूक्लिक एसडि एक्स्ट्रैक्शन डवाइस (Nucleic Acid Extraction Device) है जो देखभाल के स्तर पर सैपल प्रोसेसिंग में सहायता करता है।
- **लाभ:**
 - यह क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ीज़ के नदिन में फायदेमंद साबति होगा क्योंकि इसका प्रकोप मुख्य रूप से दूरदराज के कषेत्रों में होता है, जहाँ परीक्षण हेतु अचछी तरह से सुसज्जति लैब सुवधाओं का अभाव होता है।
 - यह त्वरति रोगी प्रबंधन और वायरस के प्रसार को नयित्तरति करने में उपयोगी होगा।

क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ीज़:

- यह क्यासानूर फॉरेस्ट डज़ीज़ वायरस (Kysanur Forest disease Virus- KFDV) के कारण होता है, जो मुख्य रूप से मनुष्यों और बंदरों को प्रभावति करता है।
- वर्ष 1957 में इस रोग की पहचान सबसे पहले कर्नाटक के क्यासानूर जंगल (Kysanur Forest) के एक बीमार बंदर में की गई थी। तब से प्रतविर्ष 400-500 लोगों के इस रोग से ग्रसति होने के मामले सामने आए हैं।
- परणामस्वरूप KFD पूरे पश्चिमी घाट में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभरी है।
- **संचरण:**
 - यह वायरस मुख्य रूप से हार्ड टकिस (हेमाफिसालिस स्पनिगिरा), बंदरों, कृन्तकों (Rodents) और पक्षियों में उपस्थति होता है।
 - मनुष्यों में, यह कुटकी/टकि नामक कीट के काटने या संक्रमति जानवर (एक बीमार या हाल ही में मृत बंदर) के संपर्क में आने से फैलता है।

लक्षण:

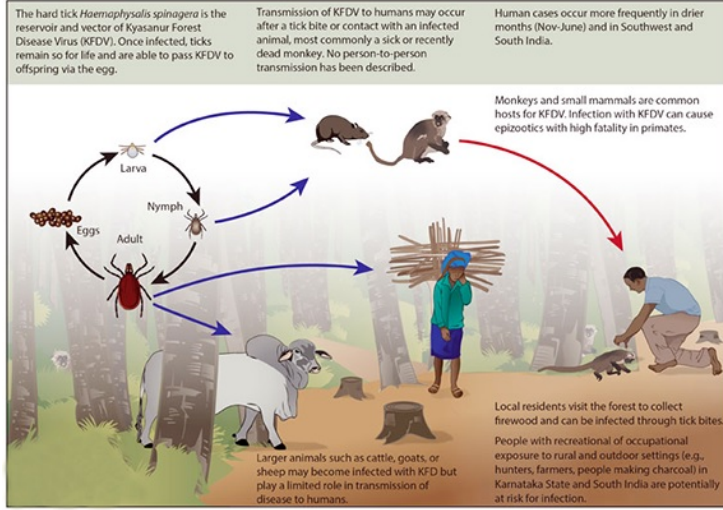
- ठंड लगना, सरिदर, शरीर में दर्द और 5 से 12 दिनों तक तेज़ बुखार का आना आदति इनके कारण होने वाले मृत्यु की दर 3-5% है।
- **नदिन:**
 - रक्त से वायरस को अलग करके या पॉलीमर शृंखला अभकिर्या द्वारा आणवक परीक्षण (Molecular Detection) से बीमारी के प्रारंभिक चरण में नदिन कया जा सकता है।
 - बाद में सेरोलॉजिकल परीक्षण (Serologic Testing) में एंजाइम-लकिड इम्यूनोसॉर्बेंट सेरोलॉजिक एंसे-एलसिा (Enzyme-linked Immunosorbent Serologic Assay- ELISA) का उपयोग कया जा सकता है।

उपचार और रोकथाम:

- मंकी फीवर का कोई वशिष इलाज नहीं है।
- केएफडी हेतु फॉर्मेलिन इनएक्टिविटेड केएफडीवी वैक्सीन मौजूद है जिसका उपयोग भारत के स्थानिक कषेत्रों में कया जाता है।

◦ हालाँकि इस रोग में यह देखा गया कि जब एक बार व्यक्ति बुखार से संक्रमित हो जाता है तो वैक्सीन कारगर साबित नहीं होती है।

Kyasanur Forest Disease (KFD) Virus Ecology



स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/kyasanur-forest-disease>

